—:: कार्यवाही विवरण ::—

श्री अंकित मिश्रा (कछार सेण्ड माईन), ग्राम—कछार, तहसील व जिला—बिलासपुर स्थित कुल क्षेत्रफल—10 हेक्टेयर में रेत (गौण खनिज) उत्खनन क्षमता—90,000 घनमीटर के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु अतिरिक्त कलेक्टर एवं पीठासीन अधिकारी, कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला—बिलासपुर (छ.ग.) की अध्यक्षता में दिनांक 08/10/2025 को प्रातः 11:00 बजे स्थान तहसील बिलासपुर रोड में खसरा नं.—799/1, खाद्य विभाग गोदाम (भवन) के सामने खेल मैदान तहसील व जिला—बिलासपुर (छ.ग.) में आयोजित लोक सुनवाई का कार्यवाही विवरण :—

भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली की, ई.आई.ए. अधिसूचना 14.09.2006 (यथा संशोधित) के तहत् श्री अंकित मिश्रा (कछार सेण्ड माईन), ग्राम—कछार, तहसील व जिला—बिलासपुर (छ.ग.) स्थित कुल क्षेत्रफल—10 हेक्टेयर में रेत (गौण खनिज) उत्खनन क्षमता—90,000 घनमीटर के पर्यावरणीय स्वीकृति के संबंध में लोक सुनवाई सूचना हेतु **स्थानीय समाचार पत्र नई दुनिया, बिलासपुर में दिनांक 05/09/2025 तथा राष्ट्रीय समाचार पत्र द इंप्रेसिव टाईम्स, नई दिल्ली के मुख्य संस्करण में दिनांक 05/09/2025 को लोक सुनवाई संबंधी सूचना प्रकाशित करवाई गई थी।** तदानुसार लोक सुनवाई **दिनांक 08/10/2025 को प्रातः 11:00 बजे स्थान तहसील बिलासपुर रोड में खसरा नं.—799/1, खाद्य विभाग गोदाम (भवन) के सामने खेल मैदान तहसील व जिला—बिलासपुर (छ.ग.) में** आयोजित की गई थी। ई.आई.ए. अधिसूचना दिनांक 14.09.2006 (यथासंशोधित) के प्रावधानों के अनुसार ड्राफ्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट, कार्यपालकसार की प्रति (हिन्दी व अंग्रेजी में) एवं इसकी सी.डी. (साफ्ट कॉपी) जन सामान्य के अवलोकन/पठन हेतु कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जिला—बिलासपुर, आयुक्त, कार्यालय नगर पालिक निगम, बिलासपुर जिला—बिलासपुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यालय, जिला पंचायत—बिलासपुर, जिला—बिलासपुर, अनुविभागीय अधिकारी (रा0), कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा0) तखतपुर/कोटा/बिलासपुर, जिला—बिलासपुर, मुख्य महाप्रबंधक, कार्यालय मुख्य महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, बिलासपुर, जिला—बिलासपुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कार्यालय जनपद पंचायत, तखतपुर/कोटा/बिल्हा, जिला—बिलासपुर, उपसंचालक (खनि. प्रशा.) कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा), जिला—बिलासपुर, क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, व्यापार विहार पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क के पास, बिलासपुर, **सरपंच/सचिव कार्यालय ग्राम पंचायत/ग्राम—कछार, लोफन्दी, लच्छनपुर, सेंदरी, गतौरी, तहसील—बिलासपुर, जिला—बिलासपुर (छ.ग.)** डायरेक्टर, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, वायु विंग, जोरबाग रोड़, नई दिल्ली, क्षेत्रीय निदेशक, एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, अरण्य भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर—19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर एवं मुख्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, पर्यावास भवन, नॉर्थ ब्लॉक,

सेक्टर–19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.) में रखी गई थी। परियोजना के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां एवं आपत्तियां सूचना प्रकाशन जारी होने के दिनांक से 30 दिवस के अंदर क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, व्यापार विहार पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क के पास, बिलासपुर (छ.ग.) में लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया। इस दौरान लोक सुनवाई के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां/आपत्तियों के संबंध में इस कार्यालय को **07** आवेदन पत्र प्राप्त हुआ हैं।

लोक सुनवाई हेतु निर्धारित तिथि **दिनांक 08/10/2025 को प्रातः 11:00 बजे स्थान तहसील बिलासपुर रोड में खसरा नं.–799/1, खाद्य विभाग गोदाम (भवन) के सामने खेल मैदान तहसील व जिला–बिलासपुर (छ.ग.) में** आयोजित की गई थी। लोक सुनवाई की कार्यवाही नियत समय पर आरंभ की गई।

सर्वप्रथम श्री शिवकुमार बनर्जी, अतिरिक्त कलेक्टर एवं पीठासीन अधिकारी, कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा लोक सुनवाई की कार्यवाही आरंभ करने की अनुमति के साथ श्रीमती रश्मि श्रीवास्तव, क्षेत्रीय अधिकारी, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा भारत सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी ई.आई.ए. अधिसूचना 14.09.2006 (यथा संशोधित) के परिपेक्ष्य में लोक सुनवाई के महत्व एवं प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी जनसामान्य को दी गई।

तत्पश्चात् परियोजना प्रस्तावक की ओर से उद्योग प्रतिनिधि श्री राजेश कुमार गुप्ता, जनरल मैनेजर श्री अंकित मिश्रा (कछार सेण्ड माईन), ग्राम–कछार, तहसील व जिला–बिलासपुर स्थित कुल क्षेत्रफल–10 हेक्टेयर में रेत (गौण खनिज) उत्खनन क्षमता–90,000 घनमीटर के परियोजना के संबंध में संक्षिप्त जानकारी से जनसामान्य को अवगत कराया गया।

अतिरिक्त कलेक्टर एवं पीठासीन अधिकारी, कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को जनसुनवाई संबंधी विषय पर अपने सुझाव, आपत्ति, विचार, टीका–टिप्पणी मौखिक अथवा लिखित रूप से प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया।

तत्पश्चात् उपस्थित लोगों ने मौखिक रूप से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां/आपत्तिया दर्ज कराया गया। जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

1. **श्री राजेन्द्र साहू, जनपद सदस्य** :– हम लोग पूरे आस–पास के सरपंच लोग लोफंदी, कछार ग्राम के है। रेत घाट से आम जन का इस गांव में मृत्यु हो जाये तो पानी देने वाला नहीं है। लाईट गोल हो जाये तो एक रोज, दो रोज रूकना पड़ता

है। गांव का ये समस्या है। पिछले वर्ष हमारे गांव को क्या फायदा मिला? कोई फायदा नहीं मिला। फायदा कमाने वाले कमा कर चले गये। पिछले साल गोली कांड भी हुआ। किनको फायदा हुआ? गांव बदनाम हुआ। क्षेत्र बदनाम हुआ और भाई लोग चले गये। लोग सामूहिक रूप से बोल रहे हैं ये रेत घाट नहीं होना है। रेत घाट बंद होना चाहिए, ये बंद होना चाहिए। कोई विवादित नहीं कर रहे हैं। जो भी मापदण्ड है शासन का सी.एस.आर. मद का होना चाहिए। आपके पास रिकार्ड होगा साहब। 15 साल हो गया गांव के विकास के लिए वो क्या काम किया है? उनका पैसा गांव के विकास में काम नहीं आता। 01 काम बता दिजिए जो सरपंच लोग करे होंगे। सरपंच लोग को गाली खाना पड़ रहा है। पंच अपना बात रखता है तो शासन से पैसा नहीं दे रहे है। हमको शासन–प्रशासन से नहीं लेना देना है। हमारे गांव में रेत खनन बंद होना चाहिए। इसका सामूहिक विरोध कर रहें है। यही विरोध हम लोगों का लगातार रहेगा। बैठकर हम शांति पूर्वक विरोध करेंगे। हम लोग रेत घाट खुलने नहीं देंगे। यही आप अधिकारियों से निवेदन है।

2. **श्री रवि यादव, ग्राम–कछार** :– नदिया के रेत के चक्कर म पिछले साल रेत घाट म आप मन ल याद होही पड़ोसी गांव सेंदरी के तीन बच्चों का मौत नहाय बर जावत रहिन हे त गड्डा खनाए हे ओमा डूब के होय रहिस हे। गांव के आदमी हन शहर के आदमी असन हमन पाईप म नहावत हन। गड्ढा म जा के डूबे रहीस हे आप मन ल याद होहय तीन बच्चा जेमा हमन चक्का जाम करें रहे हवन। आज आप मन नदिया ल बेच देवत हव। जो प्रस्ताव रखे हवा आप मन आज हमर गांव म आवास आये हे। आज हमन ल रेती ल डबल रेट म खरीदे बर पड़त हे। गांव म प्रधानमंत्री योजना आवत हे सब के ऐखर मन से हमन विरोध करत हन। रेत घाट ल नहीं देना है, नहीं देना है।

3. **श्री नवीन देवांगन, वार्ड नं. 05 पंच, ग्राम–लोफंदी** :– सर मैं न आपको बहुत बड़ा सचेत कर रहा हूॅ। जिसको आप जानते भी हो, रेत घाट चला मतलब दो–तीन में लड़ाई–झगड़ा गुंडा–गर्दी, दारू–पानी स्टाट हो जायेगा। अगर आप बोले हैं अप शब्द मत बोलियेगा। हमारे सामने हमारे अम्मा, बाबू के सामने बाहर के लोग आते है और गाली देकर चले जाते है और पूरा गांव खौफ में रहता है, तो हम लोग आप के साथ आ तो नहीं सकते है। बंदूक लेके आते हैं पता नहीं गोली रहता है कि नहीं। 04 दिन पहले आये थे मेरा उप सरपंच बोलता है कि भैया बाउंसर आये हैं घर में जाओ। मैं अपने गांव में घर में छिप कर घर में बैठू। मैं काम करने वाला हूॅ बाईक में जाता हूॅ। कृपया मेरे साथ चलिये, मेरे घर तक जाईये। ऐसा अल्टी–पल्टी

खायेगा गाड़ी जा के जगह देख लिजिए। मैं वार्ड नं. 04–05 का पंच हूॅ। रोज मेरे को बोलते हैं क्या रेती घाट चलायेगा? एक ठीक बोर नई बनत हे, सरपंच भाई को बोलता हूॅ तो वह पैसा नहीं है बोलता है, कौन दिही, कहां से दिही? बोलता है। आप रेती घाट चलाने के लिए इतना बडा मंच लगाये हैं। कलेक्ट्रेट में जाने के लिए कोई आदमी मिलता नहीं है। सर अगर गांव का विनाश करना है तो आप रेती घाट चलवाओ। बिना गाली दिये रास्ते से गाड़ी साईड नहीं करता है और बोलने पर बोलता है पैसा दिया है मेरा क्या उखाड़ लेगा? आप बोलते हैं मर्यादित शब्द का प्रयोग करो। ओती बोल के आये हस ये दे घाट तो चलत है। दूसरे गांव का आदमी मेरे को बोलता है तै का करे बर आए हस? मोर गांव अउ आन गांव के आदमी पूछत हे कि तै का करे आए हस? कसम भगवान के सर अगर रेती घाट चलही कुछू दुघर्टना होही त जतका अधिकारी आए ह ओमा सब शामिल ह। सीधा–सीधा चाहे पुलिस वाला हो, चाहे कलेक्टर हो, चाहे तहसीलदार हो, चाहे डिप्टी कलेक्टर हो सब शामिल ह। अतका विरोध के बाद अगर रेती घाट चल गये तो फिर का तुमन फोटो खिचाये आये हव। रेती घाट बंद करो भाई, अउ आत्मा से तुहू मन जानत हव कि ये गलत हे। सब के आत्मा जानत हे कि ये गलत हे। ऐमा कोई दू मत के बात नई हे। ठेकेदार आही पूरा गांव के पैसा ल झोलही अउ पैसा ल धरही हमर ल लड़वाही अउ चल देही। अपन मन फॉर्चूनर म आही हमन डिलक्स में रहबो त साईकिल म हो जाबो। ओदे फॉर्चूनर 02–03 ठीक खड़े हे।

4. **श्री संजय यादव, ग्राम–कछार** :– एक ठोक मुसीबत कचरा वाले ह कटे नई हे ये दूसरा झंझट के परेशानी ल मत लाओ। अतके कन निवेदन हे साहब, पूरा विरोध हे साहब, पूरा गांव भर के विरोध हे।

5. **श्री विक्रम यादव** :– यहां रेती घाट का बात है उससे अच्छा यहां पर एनीकट बना दो पानी का लेवल वैसे ही डाउन होते जा रहा है। एनीकट रहेगा तो हम सबको सुविधा हो जायेगा। खेती किसानी में भी अपना फायदा होगा। एनीकट बन क्यों नहीं रहा है? लगभग सुनने में आया है 05 साल पहले से एनीकट पास हुआ है। हमारे गांव का रेती का समस्या ही बंद हो जायेगा। एनीकट हो जायेगा तो पानी का समस्या ही बंद हो जायेगा। ये सब चीज में ध्यान दीजिए साहब, ये रेत घाट चलेगा तो सबको नुकसान होगा। वैसे ही यहां पानी डाऊन होते जा रहा है। उससे अच्छा एनीकट बनवा दीजिए ठीक रहेगा।

6. **श्री अयोध्या देवांगन, सरपंच, ग्राम–लोफंदी** :– ये रेत घाट नहीं खुलेगा। इसका विरोध कर रहा हूँ ना, नई खुलना चाहिए। मेरे यहां 04 महीने पहले मेरे और उपसरपंच के घर में बाउंसर लोग आए थे। मेरे यहां रेत घाट अनलिगल चल रहा है। आप लोग को जानकारी है। ये तो मैं मानता हूँ लेकिन आप लोग मानने के लिए तैयार नहीं होंगे। रेत घाट जो चल रहा है वह अवैध तरीके से चला रहा है। मैं माईनिंग में और हर जगह शिकायत किया हूँ। उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं किया गया, बाद में कार्यवाही हुआ था थानेदार के द्वारा, उसके बाद 04 तारीख को मेरे घर में बाउंसर लोग आये थे और फायरिंग करके गये हैं बाहर से, तो क्या ऐसा होता रहेगा। अभी तो रेत घाट शुरू नहीं हुआ है। वो अवैध चला रहे थे नीलामी में ले लिये हैं बोल के, उनका बफौती हो गया वो चला रहा है। पंचायत का काम है सीसी रोड बनना है, अभी भवन निर्माण हुआ है। हमको एक ट्रीप रेती ले जाने में तकलीफ है यहां हम क्या करेंगे। आप इसका साल्युशन बताये। पिछले 04 तारीख को ये लोग फायरिंग किये है। बाउंसर लोग आये थे 08–10 लोग हमको फोन करके बकायदा डरा रहे थे। उस समय जागते तो क्या होता? हमारा क्या करते ये लोग सोचे हो आप? मैं इसका विरोध करता हूँ बिल्कुल रेत घाट नहीं होना चाहिए, बंद होना चाहिए। ये मेरा रिकवेस्ट है आपसे। गांव के विकास के लिए हमको रेत की जरूवत है। हमको ये रेत देते भी नहीं है इसलिए हम लोग विरोध करते है।

7. **श्री हेमलाल साहू, ग्राम–कछार** :– रेत घाट नहीं चलना चाहिए। छोटे–छोटे बच्चा दरवाजा से निकल के खेलते रहते हैं। ट्रेक्टर, गाड़ी–घोड़ा सब चलत रहीथे। बहुत तकलीफ है रेत घाट नहीं चलना चाहिए। नहीं चलना चाहिए।

8. **श्रीमती सुक्रीता खूंटे, वार्ड नं. 11** :– अभी 01 साल पहले मोर बेटा रेती से भरे वाले ट्रक से एक्सीडेंट होईस हे। मोर घर के सामने म खेलत रहीस। रेती वाला आईस दारू पिये रहिस अउ मोर घर के सामने म एक्सीडेंट कर दिस हवय अउ मैं बैइठे रहें हव कुछ नई कर सके हव ओला कुचल के चल दिस। क्या होईस हे? कुछ नई होईस हे। थाना गये हंव त पुलिस ल बोलथव कि रेती घाट बंद कर दे, रेती घाट बंद नई होवय। यहां तक की घर के सामने में ब्रेकर भी नई बने हे। बने भी हे ओखर बाद अईसना भगाही जैइसे कि हवाई जहाज चलात हे। कोर्ट म गए रहें हंव त हाईवा रेती वाला बोलत रहीस हे डेढ़ लाख ले ले अउ केस ल रफा–दफा कर दे। एक–डेढ़ लाख ओखर लईका के कीमत हवय का? मोर लईका ल वापस दे देवय। एक–डेढ़ लाख ल रखे रहय अइसनहा करही का नई कर सकय।

छोटे–छोटे लईका दिन भर दुकान जावत हे, बस्ती अंदर रोड बने हे। लईका मन खेलबे करही दुकान तो जाबे करही। हाईवा वाला ल कहिबे, ट्रेक्टर वाला ल कहिबे धीरे चला लेकिन फुल पीये रहीथे अउ भगावत रईही, लईका मन ल कतेक घर म रखबो, रेती घाट ल बंद होना चाहिए। रोड म गाड़ी नई चलना चाहिए। रोड़ बस्ती के बहुत अंदर हे ऐखर कारण खतरा हे। लोग–लईका ल कुड होही त ओखर जिम्मेदार आप मन होहा बस मैं इतना ही कहना चाहत हंव रेती घाट बंद होना चाहिए।

9. **श्री अनारकली खांडे, वार्ड नं. 13, ग्राम–कछार** :– हा रेत घाट बंद होना चाहिए। छोटे–छोटे बाल बच्चा हे, आवत हे जावत हे। सीधा से पेला देथे, कचरा फैक्ट्री ह बंद होना चाहिए। सब के घर टूटत हे फुटत हे सब बंद होना चाहिए, टूटत हे कहां जाबो?

10. **श्री शशी मरावी** :– रेत घाट ल चालू करे हे शंभूनाथ। बस्ती म ला के रखे रहिस हे किरायादार मन ल। ओला हमन जाकर मना करे रहेन त ओही हमर नाम से थाना में जाकर एफ.आई.आर. करवा दे रहीस हे। आज भी वो केस नई टूटे हे। घाट ल कोन देथे? गांव घर के लईका मन सब जानत हे कि शशि मरावी कोन हे? मैं हारे हुए सरपंच प्रत्याशी हंव। ठेका नहीं होना चाहिए। मै 24 घंटा भाई मन ल सहयोग देथंव। पूछ लेवा हर चीज म खड़ा होथंव। तन, मन अउ धन सब चीज म।

11. **श्री कैलाश श्रीवास्तव** :– सर मेरे को एक चीज का जानकारी चाहिए अभी तक रेत घाट का ठेका हुआ है कि नहीं हुआ है? अभी तक रेत घाट का ठेका हुआ है कि नहीं हुआ है? अभी तक बाउंसर लोग बोलते है हमको ठेका मिल गया है। गांव वाले को समझाते है, मैं इसलिए पूछ रहा हूॅ। ठेकेदार मिल कर किस चीज के लिए वसूली करते है? रेत घाट के साथ अवैध रूप से मिट्टी का खुदाई भी होता है उसको भी बंद किया जाये।

12. **श्री नारायण प्रसाद पटेल** :– राईट बात बोलिस हे सेंदरी भट्ठी रास्ता म हे। वो रास्ता म सब महिला, दीदी, बहनी, भाई मन पैदल आवत हे, सेंदरी, कछार से आथे–जाथे ये दरूहा मन के डर म ओ मन सेंदरी से कछार आये के हिम्मत नहीं रखय। नान–नान लईका मन सेंदरी पढ़े–लिखे जाथे त ओ लंग के भट्ठी से निकलथे ता कोई लईका मन डहर गाड़ी घुसा देवत हे अउ कुछ भी कर देथे। मैं ये कहत हव ग्राम कछार म कल कुछ हो जाही त मौत के तमाशा देखे बर आहा।

हमन कीड़ा हवन हमर मौत के तमाशा देखे जगह–जगह बड़े–बड़े मुरूम गड्ढा खोदवाये हे। ओका सब ल बंद करव अउ रेती घाट मत चले। हमल कीड़ा–मकोड़ा हन हमर मौत के तमाशा देखे आये हव, मर जाबो तब आहा।

13. **श्री नारायण प्रसाद पटेल :–** हमारे गांव ग्राम कछार में ओ नदी से रेत ला रहे है तो बहुत ज्यादा गड्डा हो गया है, आप जाकर देख कर चेक कर लिजिए। यहां हमेशा पल–पल में दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। यहां जो हमारे कछार में दारू भट्ठी है ना आप शाम के आकर देख लिजिए। 12 घंटे तक ऐसा भीड़ लगता है, मतलब पैदल आने का हिम्मत नहीं होता है। कितना टाईम क्या हो जायेगा? पल–पल में दुर्घटना है। उसको हटा दीजिए सर, निवेदन है आपसे।

14. **श्री यशवंत कुमार साहू, ग्राम–कछार** :– मोर इतना कहना हे कि एक साल पहले से अवैध रूप से चलत हवय ये रेत घाट ऐला ऐ मन बोले हे के ये घाट हा ठेका हो गये हे लेकिन ओ घाट ठेका नई होये रहिस हे ओखर बावजूद अवैध रूप से घाट चलत रहिस हे।यहां फायरिंग भी होये रहिस हे। आप मन जनता से पूछ सकत हव फायरिंग भी होये हे अउ जगह–जगह मा गड्डा ऐसे खोदाये हे कि अगर कोई गईया भी अगर गिर जाये न त ओखर मौत निश्चित हे। ऐ मेर बगल म भी देख सकत हव। बगल मा इतना गड्डा खन दे हवय के पहली ऐ मेर मरघटीया रहिस हे ये मैदान के बगल म जस्ट मरघटीया रहिस हे ऐ में इतना गड्डा खोदाये हे के आप मन देख सकत हव सर जाके, वो सब चीज बंद होवय अवैध रूप से चलत हे वो बंद होवय। साथ ही साथ हमर गांव म रेती घाट चलता है वो नहीं चलना चाहिए। बस आप मन से इतना अनुरोध हवय।

15. **श्री रघु कुमार, ग्राम–कछार** :– मोर कहना ये है सर जो आप ये मैदान म हव वो मैदान ल अच्छा से मैदान बनाना हे। यही प्रस्ताव बर आये हवंव मैं। ऐला क्रिक्रेट मैदान बनाना है जेमा हमर बच्चा मन आस–पास सब खेलकूद कर सके। ये मैदान ल आरक्षित करा मैदान बनाने के लिए, गांव के लिए, आने वाले भविष्य के लिए, पर्यावरण बचा रहे। खेलकूद, स्वास्थ्य के लिए अच्छा रहे।

16. **श्री सुमीत कुमार खाण्डेय, ग्राम–कछार** :– ये बात तो ठीक है सर लेकिन हमर गांव के जो कोनी थाना के पुलिस है वो सबसे बेकार हैं व घूसखोर हैं। गाड़ी पकड़ तो लेंगे और 5,000–10,000 रूपये मे भी मान जाते हैं। गाड़ी पकड़े ल माईनिंग वाले आथे त उमन खुद बताथे कि माईनिंग पुलिस आवत हे गाड़ी ल निकाल लेवा ऐसे

करके सबसे ज्यादा कोनी पुलिस घटिया आदमी हैं। माईनिंग ल वो ही मन खुद बताथे। पैसा घूस खाके चल देथे। बस ओखर काम अही हे।

17. **श्री लालू साहू, ग्राम–कछार** :– नदिया म रेत घाट के खनन लगातार होवत हे ओखर चक्कर म हमर गांव के पानी के स्तर हवय ओ ह हर साल कम होवत जावत हे। ऐखर कारण हमर अनुरोध हवय के गांव नदिया के ठेका हे ओला बाहरी आदमी मन ल मत देवा। बाहरी आदमी ल देहा त दू पैसा गांव के विकास म लगत हे ओ हवर नई लगही। त मोर ये कहना हे के अगर घाट चलाना भी है तो गांव के हित म गांव के अंदर चलन देवा, सरपंच के हाथ म चलन देवा। जो भी नियम कानून हे ओमा वो ह चला सकत हे। हमर यही हवय कि नदिया म ठेका चलय त गांव के स्तर से चले, ठेका से मत चलय।

18. **श्रीमती कीर्तन बाई कुर्रे, ग्राम–कछार** :– हमर गांव ह टूटय करके नरियल फुटे हे। गांव नहीं टूटना चाहिए। हमन गांव छोड के कहा जाबो भाई? नान–नान लोग लईका ल लेके। कछार गांव टूटही करके नरियल फोड़ के चले गये हे। हमर गांव नहीं टूटना चाहिए। अगर गांव टूटही तो हमन सबके ऊपर डोजर चलाही, तब गांव ल तोड़ही। नदिया म हमन गरीब जीयत–खावत हन ठेका नई दिऐ ह नदिया ल त। जे मन ठेका देही वो सोच समझ के ठेका देही। हमर ठेका के जवाबदार नई हन, हमन गरीबी–गुजारा करके नदिया से जीयत–खाथन। हमर रेती घाट ल ठेका नहीं देना चाहिए। सुनवाई करत हे ओ सब छोटे–बड़े आदमी से बिनती करत हन। गांव ला छोड़ के कहां जाबो भाई गांव ल छोड़ के। नान–नान लोग लईका हवय ये हमर गांव के समस्या ल पूरा हल करही का? तोड़बो कहत हे त हमन गांव ल छोड़ के कहां जाबो? ये ह हमर मुर्दा ल अपन घर म पाटही का? हमर लोग–लईका मरही त कहां रखबो? सब मरघटीया ल तोड़ही त, घर बने तेन ल तोड़ही त मुर्दा ल अपन–अपन घर में गड़ियाही का? मैं सब के बिनती करत हव छोटे–बड़े से हमर गांव नहीं टूटना चाहिए। रेती घाट ल ठेका नहीं देना चाहिए। हमन जीयत हन गरीब आदमी मैं बिनती करत हव छोटे–बड़े सब ल अउ दारू भट्ठी भी बंद होना चाहिए। सब लईका दारू, गांजा म बिगड़त हे। हमर गांव म भट्ठी नहीं रहना चाहिए। सब के लोग लईका दारू और गांजा पीयत हे। बवाल करत हे, बेवड़ई करत हे। हमर गांव में भट्ठी नहीं रहना चाहिए। हमर पानी के समस्या है साहब पानी के हेल्फ करा। गांव में दारू भट्ठी नहीं रहय। नदिया के ठेका नई देवा। हमन ओही म जीयत–खावत हन। गांजा, दारू सब बंद करा, भट्ठी हमर गांव म नहीं रहय, बहुत दूर म रहय। यही निवेदन है यही बोलना चाहत हव।

19. श्री टारकेश्वर पटेल, वार्ड नं. 02 पंच :– रेती घाट नहीं चलना चाहिए सर। अभी रेती घाट इललिगल है। लिगल हो जायेगा या घाट मिल जायेगा तो ये लोग क्या करेंगे? दो गाड़ी में गये थे वो दो गाड़ी में सरपंच के घर गये थे और उपसरपंच विष्णु देवांगन को उठा रहे थे। कट्टा लेकर गये थे। क्या वो उठ जाता तो ये लोग मार देते कट्टा में, अगले साल हुआ था कछार में यहां गोली–वोली चला था, हवाई फायरिंग हुआ था। इसका रिपोर्ट भी कोनी थाना में हुआ था। जब इनको घाट नहीं मिला है इसके बावजूद भी ये लोग कट्टा बंदूक चला रहे हैं। किसी जनता को मार देंगे, किसी सरपंच को मार देंगे। इसलिए ये घाट को नहीं दिया। पंचायत के अधीनस्थ देने की प्रक्रिया आप चालू करो। मेरा आप से बार–बार अनुरोध है। सब ये लोग जो घाट लिये है, बहुत गुंडागर्दी करते है। अभी घाट नहीं मिला है इसके बाद भी ये कई लाख रूपया लोफंदी से कछार से वसूल करके ले गये हैं। घाट इनको मिल जायेंगे तो प्रधानमंत्री आवास आ गया है इसमें हमको एक ट्रेक्टर रेती नहीं मिलता है। जब ट्रेक्टर का पर्ची 60 रूपया का है ये लोग 400–500 एवं 700–800 रूपया लेते है। इसलिए ये घाट को निरस्त किया जाये और पंचायत के अधीनस्थ किया जाये।

20. श्री विष्णु प्रसाद देवांगन, ग्राम पंचायत लोफंदी, उपसरपंच :– मैं रेत घाट के नाम से विरोध करत हव। ये जो जन सुनवाई लगे हे यहां रेत घाट के नाम से ऐ जन सुनवाई व दारू भट्ठी बंद होना चाहिए। गांव वाला ल पूछ बिना अइसनहे जन सुनवाई करथे का अउ दारू भट्ठी ल चालू करथे का बतावा? यहां रेत घाट के पूरा विरोधी हैं, गांव के जनता अउ पूरा आस–पास के गांव के जनता सब रेत घाट के विरोधी है। ऐला रेत घाट देहा मतलब हमर जान गईस अउ हमन मरे बर थोड़ी देबो। हमला गांव ल चलाना हे। ऐखर नाम से विरोध करत हव कि रेत घाट नई मिलना चाहिए, नई देना चाहिए।

21. श्री राम कुमार लहरे, ग्राम–लोफंदी :– गरीब के लईका हव। हमर गांव म मोर घर के चाउर ल आन गांव के आदमी निकाल के खावत हे। आन गांव के आदमी मोर घर के चाउर ल निकाल के खावत हे। ऐखर मतलब रेती ल आन गांव के निकाल के खाये, दादागिरी देखावत हे हमला कट्टा ले के भूंजे ल आवय। आज भी हमर गांव मा दादा बसाये हे कौन बसाये हे? मैं नई जानव, हमला रेती चाहिए त हमला 3,000 रूपया म रेती मिलथे। हमर गांव के आदमी मन के हक ल आन गांव के खाथे। यही मोर प्रश्न हवय आपमन से क्षमा चाहत हव। मोर से कोई गलती होय

होही त क्षमा करिहा। सबसे पहली प्राथमिकता हमर जान हवय हमर गांव के संपत्ती ल सरपंच खाये आन गांव के आदमी का बर खावय?

22. **श्री संतोष साहू, ग्राम–कछार** :– मैं किसान भी हव, नदी किनारे जमीन हे मोर। नदिया के रेती ल निकालत जावत है। ऐखर नाम से हमन तहसीलदार के यहां आवेदन लगाय रहे हवन के पटवारी ह हमर जमीन का नाप के देवय लेकिन अभी तक के पटवारी जमीन ल नाप के नहीं दिये हे। जेमा हमन साग–सब्जी लगाकर अपन जीवन यापन करत हन। आज यही कटत–कटत जात हे। विरोध करत हन भाई के बालू नदिया से निकलना नहीं चाहिए।

23. **श्री अमोलक ध्रुव** :– जो अपन लोफंदी में जो चल रहा है 500 रूपया प्रति ट्रेक्टर वह सरपंच, उपसरपंच ये लोग अपने जेब में ले रहे है। जो है जैसे भी है वो नई चलना चाहिए। माईनिंग के हिसाब से चलना चाहिए। डंम्प करके अपन यहां से भेजवाते है यहां से वो कम होना चाहिए। आम आदमी के लिए 1,000–1,500 रूपया है। रेत मिल रहा है 1,500 में एक गाड़ी जो ट्रेक्टर का रेट है। 700–800 रूपया में गांव वालो को मिलना चाहिए गांव में वो नहीं मिल पा रहा है। इसका कुछ प्रावधान है कि इसको कुछ आगे बढ़ाना पड़ेगा या कुछ स्वीकृति मिलेगा आगे चलके ये लायसेंसी होगा। ये काम अपने गांव के मुखिया ही कर पायेगा। मेरे कहने का मतलब ये है जो भी है जैसा भी है जो गाड़ी चल रहा है रात से 06 बजे दिन तक, रात–दिन, रात–दिन मतलब उसका कोई समय नहीं है। इसका कुछ निर्णय सरपंच के द्वारा व कुछ पंचायत के द्वारा लिया जाए। कुछ निर्णय गांव में बताना चाहिए। आप इतना कमाये हो गांव में विकास नहीं हुआ है, गांव में क्या है कैसा है? ये तो होना चाहिए ये जानकारी हम लोगों को मिल नहीं पा रहा है। इसका कुछ जानकारी मिल पायेगा कि नहीं? बस इतना ही मेरे को कहना था जो गांव में बच्चे लोग जाते है सुबह 08–09 बजे स्कूल उस समय ट्रेक्टर तो बंद होना चाहिए। सुबह–सुबह समय में बंद होना चाहिए। इतना समय से इतना समय तक ट्रेक्टर चलना चाहिए। इतना समय से इतना समय तक रेत घाट चलना चाहिए। उसका समय होना चाहिए। यहां से रानीगांव में 1,700 रूपये में रेती बेच रहे हो। हम लोग के लिए कम से कम मिनीमम रेट होना चाहिए। गांव वालों के लिए फोकट में रेती होना चाहिए ये गांव का रेती है अपनें ट्रेक्टर का भाड़ा लेना चाहिए। इसका कुछ प्रावधान होगा मैडम, आगे चलके मेरा इतना कहना था।

24. **श्री दुर्गेश भोई, सरपंच, ग्राम–कछार** :– सर जैसा कि ठेका में दिया गया है उसको ग्राम पंचायत में देंगे तो कोई दिक्कत नहीं होना चाहिए। जैसे दूसरे को ठेका में मिल रहा है उसको ग्राम पंचायत में देदें सर। ठेका में देना ही है तो ग्राम पंचायत को दे दिया जाये। ग्राम पंचायत कछार के आश्रित अमतरा है। ग्राम पंचायत से चलेगा तो कुछ निर्माण कार्य पंचायत का है तो जैसा भी है वो कर सकते है सर, ठेका में जायेगा तो ठेका वाले को जायेगा। इस अनुसार से ठेका में देना नहीं है व ग्राम पंचायत को दे दिया जाये। ग्राम पंचायत को दे दिया जाये।

25. **श्री छबिलाल यादव, वार्ड नं. 08 पंच** :– बस मैं यही चाहता हूॅ जैसे रेत घाट के लिए यहां पर सब बंद करने के लिए समर्थन कर रहे है। जिस प्रकार से सर बायोगैस के लिए हमारे ग्राम पंचायत कछार में 25 एकड़ जमीन का मांग किया गया था। शायद उसका नापा जोकी भी चल रहा है, जिसमें घेराई हो रहा है। तो हम चाहते है जितने भी गरीब लोग का बस्ती बसा हुआ है। जो अपना बना के जैसी आवास में जैसे बनाये हैं। मैं चाहता हूॅ कि बायोगैस को बंद होना है। वो जो गरीब लोग बसे है उस घर को नहीं उजड़ना चाहिए। रेत घाट का जो है ये हो रहा है उसमें बाहरी लोग को देंगे तो मैं उसका विरोध करता हूॅ, क्योंकि हम लोग ग्राम पंचायत से चला रहें हैं, उस पैसा को कुछ उपयोग करेंगे गांव में जो भी समस्या होगी, आज हमारे गांव में बिजली गोल हो जाता है। अगर पंच को बनाने के लिए बोलते हैं तो हम लोग कहां से पैसा देंगे? वो रेत घाट ग्राम पंचायत से चलेगा तो पैसा रहेगा। ग्राम पंचायत से पैसा लगाकर हम तुरंत निराकरण करेंगे सर। ये मेरा मानना है और साथ ही साथ जो बायोगैस का होना है वहां पर बिल्कुल नहीं होना चाहिए। वहां पर बस्ती बसा हुआ है, तो मैं बिल्कुल इसका विरोध करता हूॅ। बायोगैस कछार में नहीं लगना चाहिए।

26. **श्री सूर्या पटेल, ग्राम–लोफंदी** :– मैने देखा सभी लोग बोल रहे है रेत घाट बंद होना चाहिए, बंद होना चाहिए। ये कौन लोग है जो अपना रेती बिछाकर रोड में रखे रहते है। आप देखे सर ये मेरा मुद्दा है।

27. **श्री सूर्य प्रकाश पाठक, ग्राम–** :– जनप्रतिनिध से लेकर आम आदमी का कहना है कि रेत घाट बंद होना चाहिए। सभी जनता का और आम नागरिक राय है। सबका राय है कि रेत घाट बंद होना चाहिए, तो आप बार–बार वही निर्णय सुनने के लिए काहे बैठे हैं? कार्यवाही करनी चाहिए न, हर आदमी के लिए केवल वही सवाल निकल रही है कि आप आकर माईक में बोलिये। हर व्यक्ति और जनप्रतिनिधि

माईक से यहां आकर यही बात बोल रहे है कि रेत घाट बंद होना चाहिए और कितने लोगों का आप आवाज सुनते रहेंगे कि रेत घाट बंद होना चाहिए? उससे कोई न कोई कार्यवाही होना चाहिए। आप के तरफ से कोई तो जवाब मिलना चाहिए भाई, सर बात रखने से कुछ नहीं होता है सर आप भी अपने उच्च अधिकारियों से बात करेंगे, शासन से बात करेंगे कि इस बारे में कुछ निराकरण निकालेंगे। सिर्फ सुनने से कुछ नहीं होगा सर एक चीज ये बता दीजिए। जब कोई न कोई निराकरण होगा न घाट अवैध चल रही है ठेके में आज 04 साल हो गया है। लोफंदी घाट की नीलामी हुये 04 साल हो गया न, आज कितने साल हो गया रेत घाट की नीलामी हुये? लोफंदी की बताईये न कितने साल हो गया? आप गवर्नमेंट के अधिकारी है न, कितने साल हो गये रेत घाट को नीलामी हुये? नीलामी घाट की हो रही है, अवैध चल रही है, आप जिस जगह में बैठे है न उसके जस्ट 50 मीटर की दूरी में पीछे कितने गड्डे है उसमें ध्यान दिये हैं क्या आपने? आपके प्रशासन की रोज गाड़ी इधर से उधर आ रही है, लेकिन किसी का ध्यान नहीं गया होगा। आज तक के कोई न्यूज पेपर में और न कोई न्यूज चैनल में आई है क्या? नहीं आई है। क्या प्रशासन को इसकी भी जानकारी नहीं है? है ना। चूप होकर प्रशासन क्यो बैठी है? क्यो बैठी है? मेरा मुद्दा है रेत घाट बंद होना चाहिए अवैध जितने भी गतिविधियां है बंद होना चाहिए। ये हमारे जनप्रतिनिधी है जो जनपद सदस्य है उनका भी यही राय है। हमारे गांव के जितने भी सरपंच, उपसरपंच है।

28. **श्री कृष्ण कुमार पाठक, ग्राम–लोफंदी** :– हम लोग का सभी का मांग यही है सर ठेका पंचायत को दे दें। अभी मस्त तरीके से चलता आ रहा है घाट, चलेगा भी आप देंगे तो, चल रहा है वो चीज आपको भी जानकारी होगा। मेरा कहना है कि बाहर के लोगों को ठेका न देकर ग्राम पंचायत में पर्ची अगर दे दिया जाये तो ज्यादा अच्छा रहेगा, क्योंकि उससे हमारे ग्राम पंचायत के पास ठेका होगा। जो भी समस्या होगा उसको ग्राम पंचायत के फंड से यूज किया जायेगा। मेरा कहना यही है कि बाहर के लोगों को ठेका न देकर हमें आप लोग सर ग्राम पंचायत को अगर पर्ची दे दिये तो अच्छा रहेगा, क्योंकि उसमें बाहर के लोग आयेंगे तो दादागिरी ज्यादा होगा। यहां पर फायरिंग भी हो जाता है। आपको कई लोगों ने बताया होगा। उससे अच्छा ग्राम पंचायत को पर्ची दे दिया जाये। तो बहुत बेस्ट होगा, मेरा यही कहना है। उससे ज्यादा नहीं बोलना चाहता।

रेतघाट बंद करो, दादागिरी बंद करो। बाउंसर भगाओ गांव बचाओं। (नारे बाजी की गई) रेत घाट बंद होना चाहिए।

29. **श्री विजय देवांगन, ग्राम–लोफंदी** :– मैं रेत घाट के विरोध करत हव, काबर की पूरा गांव रेत घाट के पक्ष में नहीं है। अभी 04 तारीख को हमारे गांव में रात के बाउंसर आये थे ओ सब के ऊपर म बंदूक ताने रहिस हे। हमारे गांव के सरपंच खुद बड़े पापा थे। विष्णु देवांगन हमारे उपसरपंच है। इन लोग को रात के 01 बजे घर जाकर उठावत रहिस हे, इमन उठ जातिस तो इमन ल मार दे रहतीस। अभी ठेका नई होये हे त इमन हमन ल उठावत हे अउ ठेका उमन ल मिल जाही त ओखर बाद इमन का करही? मान लेवा अभी मैं घर बनाहूँ त मोला एक गाड़ी रेती के जरूवत होही त मैं एक गाड़ी बर भाटिया से पूछे जाहू का? मोला एक गाड़ी लगही करके। जो भी ठेका लेथे मोला एक गाड़ी रेती चाहिए। मोला एकदम हक हे। मैं लोफंदी गांव के निवासी हंव, मैं अपन घन ल बनाये बर करथव। मोर राय बस अतके हे। मैं बिना नहाये खाये आये हव, रेती घाट के बारे म आये हंव। मैं अतके बस कहत हव मोर घर के काम 10 दिन हो गये रूके हे। वो बाउंसर मोला ये बोले रहिस हे जब तक हमला अनुमति नई मिलही, जो यहां के ठेका लिये हे जानू साहू ओखर मुंशी हवय। मुंशी है ओला फोन भी लगाये रहव बोलिस हे कि घर बनत हे त तैं जान मैं तोला रेती नई दे सकव। मोला ये बतावा कि मोरे गांव के नदिया अउ मोला घर बनाये बर रेती नई मिल सकय का? मोर बस अतके राय हे कि रेती घाट बंद होना चाहिए। चलता भी है तो हमर पंचायती सभा से चलय का बर के हमर लोफंदी गावं म कम से कम 400 परिवार हे जेन रेती घाट म पलत हे। सब कोई बेरोजगार हो जाही। हमला सब ला बिलासपुर कमाये–खाये बर जाना पड़ही। बिलासपुर जाबो त कितना मिलही 8,000–10,000 रूपये? बिलासपुर 20 किलोमीटर हे। रेती घाट बंद होना चाहिए। यहां 400 परिवार के रोजी–रोटी चलत हे। बस मैं अतके चाहत हव।

30. **श्री आशीष लहरे, वार्ड नं. 20 पंच, ग्राम–लोफंदी** :– मोर ग्राम पंचायत लोफंदी म 04 झन गुंडा बैइठे हे, इमन बाउंसर बुला–बुला के गांव वाले मन ल धमकी देवावत हे। सबसे पहले हमर निवेदन हे कि ग्राम पंचायत लोफंदी के 04 झन गुंडा हे सबसे पहली भगाया जाये। जेमा गांव के सुधार हो सके। रेती घाट ल पूरा तरीका से बंद करव। पूरा ग्राम पंचायत कछार, लोफंदी, सेंदरी का यही कहना है कि रेती घाट नहीं चलना चाहिएउस पर जतका हो सके कार्यवाही करो। जनता के सुनवाई पहली करो। यही आपसे निवेदन है।

31. श्री दुर्गेश साहू, ग्राम–कछार :– रेत घाट बंद कीजिए क्योंकि हमारे कछार के जितने भी ग्रामीण है, वो सब अपने ग्राम में आश्रित है। अगर रेत घाट को ठेका दे दिया जायेगा तो हमारे गांव के जितने भी नागरिक है वो बिलासपुर जायेंगे काम में, अगर ठेका देना ही है तो पंचायत को दीजिए। पंचायत स्तर में हमारे गांव में काम होगा। इसलिए आपसे निवेदन है कि ठेका न देके ग्राम पंचायत को दे।

32. श्री रामाधार, भूतपूर्व सरपंच ग्राम–लोफंदी :– रेती घाट बंद होना चाहिए। बाहर से बाउंसर भी आये हैं ओ लोग हमें रिवाल्वर दिखाते हैं। बंदूक दिखाथे ये सब बात अच्छा नहीं है। गांव मा अब एक भी रेती नहीं मिलय। मैं शुरू म रहेव त गांव वाले मन बर फ्री रेती कर दिये रहेव। मैं चाहत हव कि पंचायत के द्वारा चलय। गांव के विकास होवय, दो पैसा जनता ल रेती बर मत दिये पड़य। रेती हमर गांव के पूंजी हे, हमर गांव के नदिया हवय, हमर गांव से निकले हवय। गांव के पूंजी होते हुए हमला खरीदे ल पड़थे। बहुत अपमान जनक बात हवय ऐ ह।

33. श्री हेमलाल साहू, ग्राम–कछार :– आज सब कोई सुनत हव कि बाउंसर मन बंदूक लेके आवत हे। तुमन भी सुनत हवय अउ हेमलाल चाचा बोलत हवय कि रिकार्ड भी होवत हवय। चाचा बोलत हवय कि ओखर घर म रात के ओला उठा के बंदूक म मार दे हवय। आज तक कोई के जगाये के क्षमता नई हे। हमन खुद अपन डउकी–लईका ल घर म जाथन उठ करके जगाथन। ये बाउंसर मन ल जानथन कहां है देवांगन? कहां है प्रमेश देवांगन ऐला जागाये बर चले गये हे? आज हमर गांव में छोटे–छोटे भाई बहनी मन वहां बसे हे, वहां तोड़–फोड़, टूटना–फुटना नहीं चाहिए घर वर। दारू भट्ठी भगना चाहिए यहां से जगह नहीं है क्या? आप मन ल बस कछार में जगह दिखत हे। ऐ गरीब गांव म रेत घाट ह चलय त पंचायत स्तर से चलय यदि नई चलही पंचायत स्तर से त ग्राम पंचायत कछार के मन कलेक्टर ऑफिस म डब्बा रख के जाके भीख मांगही । कुछ नई करय वहां रोजगार भी नई मिलय। बृहस्पति बाजार के चौक मा जाबे काम करे बर त वहां नाईट्रा और दारू वाला बोलथे कहां के हस बे अइसे हमन ल बोलथे। हमर ग्राम पंचायत कछार के मन ही ये काम ल करय।

34. श्री छबि कुमार यादव, ग्राम–कछार :– रेत घाट का सभी बात कर रहे हैं। हमारे पूर्वज यहां खेती कर रहे हैं। हमारे पूर्वज 20 फीट से पानी निकालकर पिये हैं पानी लेकिन हम लोग 300 फीट में पानी निकालकर खेती कर रहे है। पानी आखिर जा तो जा कहां रहा है। रेत घाट जैसे भी चल रहा है उसमें प्रॉफीट भी हो रहा है।

चाहे पंचायत चलाये, चाहे बाउंसर चलाये, चाहे ठेकेदार भी चलाये लेकिन एक छोटे से भी चेक डेम स्थापित भी कर देते है उस पैसे से, तो यहां खेती करने में इतना समस्या हो रहा है वो नहीं होता। कछार गांव में कभी पानी सूखता नहीं था लेकिन अब के डेट में गर्मी का सीजन आ रहा है। इसमें 20 से 30 ट्यूबवेल सूख जा रहा है। पानी कहां जा रहा है कम से कम इसी के लिए थोडा ध्यान दे दिया जाये। रेती घाट में छोटा सा चेकडेम डाल दिया जाए। चेक डेम डलेगा तो खेती करने में बहुत आसानी होगी। 75 प्रतिशत कछार से सब्जी जाता है बिलासपुर तिफरा मंडी में बारो महीना जा रहा है उसको थोडा ध्यान दीजिए यही मेन है।

35. **श्री राजकुमार साहू, ग्राम–कछार** :– हमारा समस्या ये है हमारे कछार गांव में, हमारे गांव में गाय गरूवा का समस्या है। सब के खेत म जाके चरत हे। कुछ नई लगे हे। सबसे बड़े समस्या हमर रेती घाट के है। हम कहते हैं रेती घाट सरपंच चलाये, कोई बाहरी आदमी मत चलाये। हमर गांव में जो भी समस्या है हल करत हे बेचारा। सरपंच ओला चलाये कोई ठेकेदारी में देना नहीं है भईया, रेती घाट हमर गांव के चीज हे हमर जमीन हे। हमन एक रूपया के लाभ नई पावत हन। हमर जमीन पूरा बोहा के चल दिये हे रेती घाट म, रेती घाट को कोई माफिया को नहीं देना है। ग्राम में सरपंच चलाये जो भी लेना है दो रूपया, चार रूपया जो भी लेना है ले। रेती घाट को सरपंच को चलाना है, कोई माफिया को नहीं देना है। यहां माफिया आ के बहुत बैठें–बैठें है, जाने भईया यहां माफिया आ के बहुत बैठें–बैठें है और ये पूरा उत्खनन होवत हे चलत हे। जा के देखिहा पूरा गांव भर उत्खनन हो गये हे। पूरा निजी जमीन ल खोदवात हे चला देखिहा। नाम ल बोले ल बोलबे त बता देहू। पूरा जमीन के उत्खनन हो गये हे, चला जा के देख लेवा जेन–जेन आफिसर आये हव सब कोई। मोर गांव से उत्खनन करत हव। मोर पेशी चलत हे, हाईवा चलत हे, मोर नाम से आज पेशी हे। मोर नाम से पेशी चलत हे गांव म उत्खनन करत हे करके। न तो मोर तीर एक ठोक ट्रेक्टर हे, न तो आटों हे। मोटर साईकल मक नई हे। मोर नाम से पूरा गांव में ये करे हे। बस मेरा यही कहना है कि कौन से मोर मेर ट्रेक्टर हे कि जेसीबी हे। बस भैया मैं कुछ नई कर सकव।

36. **श्री स्वपनिल अग्रवाल, ग्राम–कछार** :– मैं ग्रव्हमेंट से ये जानना चाहता हूँ कि जो कछार में जमीन है, कछार, सेंदरी और लोफंदी की एग्रीकल्चर के लिए है या इण्डस्ट्रीयल या माइनिंग के लिए सबसे पहला ये मेरा प्रश्न है? जिस तरीके से आप लोग यहां पर इण्डस्ट्रीज सेंशन कर रहे हैं, पॉवर प्लांट सेंशन हो रहें है, वॉशरी सेंशन हो रहे हैं, आस–पास में, अभी बॉयोगैंस सेंशन हो रहा है। उसके पहले

कचरा गोदाम सेंशन हुआ है। इन्वायरोकेयर का इन्सीनेटर चल रहा है यहां पर, घुटकू में पॉवर प्लांट व वॉशरी चालू हो चुका है। चारो तरफ से यहां पर एग्रीकल्चर लैण्ड है, चारो तरफ से फैक्ट्रीयों का डस्ट आता है तो खेती कोई नहीं कर पा रहें है। यहां पर नदी से रेत निकाल कर वॉटर लेवल डाऊन कर देंगे तो खेती कहां से होगी। आने वाले भविष्य में खाना कहा से खायेंगे? क्या हम रेती, गिट्टी और सीमेंट को खायेंगे? ये आप डिकलियर कर दिजिये कि कौन–कौन से जमीन कृषि भूमि है और कौन–कौन से भूमि इण्डस्ट्रीयल या माईनिंग सेक्टर की है? बाकी किसानों की जमीन है जो फ्यूचर में रेट बढ़ जायेगा इण्डस्ट्रीय सेक्टर के हिसाब से बेच के दूसरे जगह जाकर जीवन बसर कर लेंगे। बस मेरा यह कहना है यदि रेती घाट चले न चले मेरा कोई मतलब नहीं है न मेरे को प्राफीट होना है, न किसी को प्राफीट होना है, प्राफीट उसको होना है जिसकी गाड़ियां चल रही है और जो ठेकेदार है उसको प्राफीट होना है। जमीन, नदी, मुरूम उसके अलावा पर्यावरण बचाना है उसकी जिम्मेदारी आप लोगों की है, इन्वायरमेंट विभाग की है, एन.जी.टी. की है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्युनल वो इसको डिक्लेयर कर सकता है। क्या मै आप लोगों से इतना प्रश्न करता हूँ? बताईये ना कोई जवाब दिजिए।

37. **श्री धनेश्वर प्रसाद पटेल, ग्राम–लोफंदी** :– मेरा पटवारी हल्का नंबर 22, खसरा नंबर 875/3 उसका पंजीयन नहीं हुआ है। पटवारी के चक्कर में घूम रहा हूँ वह बोलता है आज होगा, कल होगा।

38. **श्री रामधीवर, सरपंच प्रतिनिधि, ग्राम–पेण्डरवा** :– यहां पे शिविर लगा है तो मेरा विचार है मैं जानकारी चाहूंगा कि इसके एवज में ग्राम पंचायत को क्या फायदा पहुंचा रहे है? क्या दे रहे है? हमें कुछ ऐसा नजर नहीं आता है। मेरे ग्राम पंचायत में रेत खदान है लेकिन ग्रामीणों को या ग्राम को उससे कोई फायदा नहीं हो रहा वो बोलते है कि शासन से पैसा आता जरूर है लेकिन डायरेक्ट रूप से फायदा नहीं है। उसमें भी बहुत फिजीकली लिखा पढ़ी व प्रोसेस बहुत ज्यादा लंबा है। उससे कोई फायदा नजर नहीं आता है। उसी के कारणे हमारे गांव में विकास का ऐसा कुछ फायदा भी नहीं है। इसके ऐवज में मैं चाहता हूँ कि अनुमति न मिले। हमारे ग्राम पंचायत में भी है रेत घाट, वहां पर लच्छनपुर है, पेण्डरवा ग्राम पंचायत है। वहां पर कुछ ऐसा भी नहीं, वहां के ठेकेदारो से बात करो या रिकवेस्ट करो, या मिन्नते करो तब जा के कुछ मिलता है। ग्रामवासी हम उनके पास जाते है मांगते है। शासन का प्रोसेस तो लंबा है। इस वजह से मेरा मत है, किसी को परमीशन न दिया जाये।

39. **श्री सुशील लहरे, ग्राम–लोफंदी** :– अभी 2021 में हमारे गांव लोफंदी में जबरदस्त ऐक्सीडेंट हुआ था सलमान खान का, उसके बाद भी हमारे ग्राम में रेत घाट बंद नहीं हो रहा है। अभी तक चल रहा है सर, सलमान खान का जबरदस्त ऐक्सीडेंट हुआ था। राम मंदिर के सामने यही पर नवापारा चौक में हुआ था। रेत घाट बंद नहीं हो रहा है। इन लोग गाड़ी चला रहे है रेत घाट वाला धकाधक–धकाधक। बच्चे स्कूल जा रहे है किसी को कोई मतलब नहीं। हाईवा भगा रहे हैं मतलब भगा रहे हैं। किसी से मतलब नहीं रखते तो हमारे गांव में रेत घाट बंद होना चाहिए सर।

40. **श्री धर्मपाल वर्मा, ग्राम–कछार** :– रेती घाट बंद होना चाहिए सर, ठेका नहीं होना चाहिए और खदान भी बंद होना चाहिए। जल स्तर बहुत नीचे चला गया है इसलिए रेत घाट को ठेका मत दो।

41. **श्री सूर्यप्रकाश मरकाम, ग्राम–गतौरी सरपंच** :– मैं रेत घाट के विरोध करत हव, काहे कि जब रेती घाट ठेका म जाही त हमर निर्माण कार्य गांव म होथे ओ ह नई होही, मूलभूत सुविधा के काम हाथे ओ ह नई होवय, आस–पास के गांव म जितना निर्माण कार्य होथे ओ ह अही गांव के रेती से होथे। ओ सब मन यही से रेत ले जा के निर्माण काम करथे। आप मन ठेका म ले देहा त निर्माण कार्य हमन कैइसे करबो?

42. **श्री सुनील यादव, ग्राम–कछार** :– मेरे वार्ड से भी आये हुये कुछ लोगों के साथ–साथ मेरे कका भी है और गोकुल आये हैं उनका आवास घर बना है। वहां हम लोग कचरा के लिए जमीन दिये हैं। वहां कचड़ा इकट्ठा होता है। उसका वहां बदबू बहुंत ज्यादा आता है और साथ ही बायोगैस के लिए अलग से जमीन मांग रहे है। जमीन को नहीं दूंगा करके चाचा वहां बगल में रो रहा था। मैं नहीं बोल सकता आप मेरे वार्ड के पंच हो आप जाकर बोलो तो मैं उसके बात को रख रहा हूँ सर बायोगैस का बात है, उसको बिल्कुल निरस्त कीजिए। उधर का घर नहीं टूटना चाहिए सर, बस मेरा यही मांग है वो बने रहे गरीब रहते रहे। साथ ही साथ जो रेत घाट का जो हो रहा है पूरा वही बोलूंगा सर पंचायत को ठेका दे दिया जाये रायल्टी के माध्यम से कमाये चार गरीब अपना परिवार पाले उसमें रोजी–रोटी कमाये।

उपरोक्त वक्तव्यों के बाद अतिरिक्त कलेक्टर एवं पीठासीन अधिकारी, कार्यालय कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) तथा क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा उपस्थित जन समुदाय से अपने विचार व्यक्त करने का अनुरोध किया गया, किन्तु जब कोई भी व्यक्ति अपने विचार व्यक्त करने हेतु उपस्थित नहीं हुए तद्उपरांत लोक सुनवाई में उठाये गये मुद्दो पर परियोजना से संबंधित प्रतिनिधि को जानकारी देने के लिए आमंत्रित किया गया। परियोजना प्रतिनिधि के रूप में उद्योग प्रतिनिधि श्री राजेश कुमार गुप्ता, जनरल मैनेजर श्री अंकित मिश्रा (कछार सेण्ड माईन), ग्राम–कछार, तहसील व जिला–बिलासपुर (छ.ग.) द्वारा लोक सुनवाई में उठाये गये मुद्दो के संबंध में मौखिक जानकारी प्रस्तुत की गई। लगभग अपरान्ह 02:30 बजे अतिरिक्त कलेक्टर एवं पीठासीन अधिकारी, जिला–बिलासपुर द्वारा लोकसुनवाई सम्पन्न होने की घोषणा की गई।

लोक सुनवाई स्थल पर लिखित में कुल 10 आवेदन पत्र सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी प्राप्त हुई। स्थल पर उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को आवेदक से प्रस्तावित परियोजना पर सूचना/स्पष्टीकरण प्राप्त करने का अवसर दिया गया। लोक सुनवाई के दौरान 42 व्यक्तियों के द्वारा मौखिक सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी एवं आपत्तियां अभिव्यक्त की गई, जिसे अभिलिखित किया गया। लोक सुनवाई में लगभग 350 व्यक्ति उपस्थित थे। आयोजित लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी कराई गई।

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल,
बिलासपुर (छ.ग.)

अतिरिक्त कलेक्टर एवं पीठासीन अधिकारी,
कार्यालय कलेक्टर,
जिला–बिलासपुर (छ.ग.)